हरिभूमि

# जशपुर-रायगढ़ भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार, 10 मई 2024

[ पत्थलगांव | कुनकुरी | बगीचा | फरसाबहार | कांसाबेल | दुलदुला | मनोरा ]

तापमान

अधिकतम 38.2 डिग्री

न्यूनतम 36.2 डिग्री

4

प्रतिबंधित स्थल पर जलक्रीड़ा के लिए रोजाना जुट रही सैकड़ों की भीड़



प्रवेश सूचना

| | |
|---|---|
| BMLT (3 years) लैब टेक्नीशियन डिग्री | DMLT (2 years) लैब टेक्नीशियन डिप्लोमा |
| DXRT (3 years) एक्स - रे टेक्नीशियन | O.T. (1 years) ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन |
| D.Pharma (3 years) डी.फार्मा | Ophthalmic ass. (2 years) नेत्र सहायक |

साध्य इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस

कुनकुरी 7580834000

अम्बिकापुर 7440435000

## खबर संक्षेप

### जवान के लिए पुलिस ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर

**अम्बिकापुर।** आसाम से चुनाव ड्यूटी करने आए जवान को मल्टी ऑर्गन फेलियर की शिकायत पर एयरलिफ्ट किया गया। जवान को एयरलिफ्ट करने के लिए सरगुजा पुलिस द्वारा लगभग 16 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया जिसके उसे एयर एम्बुलेंस से रायपुर भेजा गया। फिलहाल जवान देर शाम रायपुर पहुंच चुका है। एएसपी अमोलक सिंह ढिल्लो ने बताया कि आसाम के गोलाघाट अंतर्गत ग्राम सरूपाथर निवासी मनोज गोगोई आसाम का जवान है। मनोज गोगोई अपनी कम्पनी के साथ लोकसभा चुनाव ड्यूटी के लिए कंपनी के साथ सरगुजा आया हुआ था। दो दिनों पहले उसकी तबीयत खराब होने पर संजीवनी हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया था जहां ब्रेन फीवर की बात सामने आई थी। जवाब को ब्रेन फीवर के साथ मल्टी ऑर्गन फेलियर की शिकायत आ रही थी ऐसे में डॉक्टरों द्वारा जवान को रायपुर शिफ्ट किया गया। जवान की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे एयरलिफ्ट करने का निर्णय लिया गया।

### करेंट की चपेट में आकर महिला की मौत

**बिश्रामपुर।** मंगलवार की दोपहर बाद आए तेज आंधी तूफान ने क्षेत्र में जमकर तबाही मचाई है।आंधी तूफान से आम की फसल को काफी नुकसान पहुँचा है।साथ ही कई जगहों पर पेड़ गिरने से बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई है जिसे सुधारने में बिजली कर्मियों को खासी मशक्कत करनी पड़ी।ग्राम गेतरा कॉलोनी के समीप खेत मे गिरे बिजली प्रवाहित तार के संपर्क में आकर पचास वर्षीय महिला सोना बाई पति सुखराम रजवार की मौत हो गई।बताया गया कि आंधी तूफान थमने के बाद शाम छह बजे के करीब महिला खेत की ओर गई थी कि तरंगित तार के संपर्क में आ गई।हो हल्ला व हंगामा होने के बाद उसे करेंट के सम्पर्क से हटाकर केंद्रीय अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।एम्बुलेंस चालक की सूचना पर बिश्रामपुर पुलिस ने मर्ग कायम किया है।जांच के लिए केस डायरी कोतवाली भेजी जा रही है।

### कुंए में गिरकर महिला की मौत, मर्ग कायम

**अंबिकापुर।** ग्राम सनावल में कुंए में गिरने से महिला की मौत हो गई। मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के सनावल अंतर्गत रहने वाली शगुनी देवी मंगलवार की शाम घर के बाड़ी में मौजूद लगभग 30 फीट गहरे कुंए में गिर गया थी। महिला के गायब होने पर परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे लेकिन उसका पता नहीं चल सका। आज सुबह परिजन की नजर कुंए में गई तो वहां महिला की लाश थी। ऐसे में परिजन ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा लाश को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है और घटना की जांच की जा रही है।

### चुनाव के दिन शराब बिक्री करते हुए युवक गिरफ्तार

**अंबिकापुर।** लोकसभा चुनाव के दौरान शराब तस्करी के मामले में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। गांधीनगर पुलिस के अनुसार पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि प्रतिबंध के बाद भी चुनाव के दिन नमनाकला में एक युवक बाइक से भारी मात्रा में महुआ शराब लेकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने नमनाकला शनि मंदिर के पास घेराबंदी कर बाइक क्रमांक सीजी 15 डीएल 0989 को रोककर युवक के पास से दो कार्टून में रखा 20 लीटर शराब जब्त किया है।

# आयुषी ने 12वीं व श्रयांश ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

12 वीं कक्षा में राज्य में तीसरा स्थान लाने वाली आयुषी गुप्ता ने जशपुर जिले का नाम रौशन किया है। आयुषी ने कॉमर्स विषय के साथ 96.80 प्रतिशत लाया है।आयुषी के यह मुकाम हासिल करने पर शिक्षकों सहित परिवारजनों और शुभचिंतकों ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

आयुषी का सपना है कि वह चार्टर अकाउंटेंट बने इसके लिए वह कड़ी मेहनत कर सपना पूरा करने पूरी मेहनत से आगे की पढ़ाई करती रहेगी। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल



अपनी मम्मी के साथ आयुषी गुप्ता।

जशपुर में पढ़ने वाली कक्षा 12 वीं की छात्रा आयुषी गुप्ता ने बताया कि रोजाना पूरी ईमानदारी से कड़ी पढ़ाई कर सफलता हासिल किया है।इसमें परिवार वालो के साथ शिक्षकों का योगदान रहा है। घर में पढ़ाई करने के साथ साथ पढ़ाई के लिए उचित माहौल के लिए उन्होंने लाइब्रेरी का सहारा भी लिया जहां घंटों वह जाकर एकांत में पढ़ाई की है।स्कूल के शिक्षकों ने भी उन्हें मार्गदर्शन देने के साथ साथ भरपूर सहयोग किया है । वह आगे जाकर चार्टेड अकाउंटेंट बनना चाहती है इसके लिए वह पूरी लगन के साथ आगे बीकॉम की पढ़ाई करेगी।पिता मुकेश गुप्ता का सी मार्ट के बगल में चौपाटी है जहां परिवारजन दिन रात मेहनत कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। 12 वीं में राज्य में तीसरा स्थान लाने वाली आयुषी गुप्ता ⏭ शेष पेज 4 पर

## सिविल सर्विस में भविष्य देख रहा जशपुर का यह लाल

10 वीं की बोर्ड परीक्षा में राज्य में तीसरा स्थान लाने वाले श्रयांश यादव ने कहा कि वह सिविल सर्विस में अपना भविष्य देखना चाहता है,उसका यूपीएससी की तैयारी कर आईएएस बनने का सपना है,जिसे पूरा करने वह अपना पूरा दम खम लगा देगा। इस कार्य में परिवारजनों का पूरा सहयोग और साथ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी टॉपर लिस्ट में जशपुर के स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में अध्ययनरत कक्षा 10 वीं का छात्र श्रयांस यादव ने राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है,परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद परिवारजनों सहित शिक्षकों ने श्रयांश यादव



पापा के हाथ मुंह मीठा करते श्रयांश यादव।

का मुंह मीठा कर उसके उज्जवल भविष्य की कामना किया है।इस दौरान श्रयांश यादव ने कहा की उसके सफलता के पीछे परिवारजनों,शिक्षकों और कोचिंग टीचर का महत्वपूर्ण योगदान है,इनके मार्गदर्शन और उचित दिशा निर्देशन में वह पढ़ाई कर सफलता प्राप्त किया है। आगे की पढ़ाई वह गणित विषय के साथ करना चाहता है और भविष्य में सिविल सर्विस में जाकर आईएएस अफसर बनना चाहता है।श्रयंश ने बताया कि उनकी माता श्रीमती प्रतिमा यादव हाउस वाइफ हैं और पिता शिक्षक है। श्रयांश यादव के पिता संजीव यादव ने बताया कि पढ़ाई के प्रति रुचि और शिक्षकों के मार्गदर्शन से उन्हें पहले ही एहसास हो गया था,कि बेटा एक दिन नाम रौशन करेगा। पिता द्वारा मिले संस्कार और ⏭ शेष पेज 4 पर

## जिले से 12 विद्यार्थी प्रदेश टॉप-10 प्रावीण्य सूची में शामिल

# यशस्वी जशपुर ने बोर्ड परीक्षा में जशपुर का बढ़ाया मान



अर्पिता शैली कुजुर ।



मोना यादव।



उमा बरेठ।



रसीना चौहान।

प्रीति समदूर।

सलोनी सिं।,

करीना सिंह।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिला कलेक्टर डॉ.रवि मित्तल के मार्गदर्शन में जशपुर जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने हेतु संचालित यशस्वी जशपुर कार्य

- प्रावीण्य सूची मे स्थान बनाने वाले जिलों में लगातार दूसरे वर्ष जशपुर जिला अव्वल रहा

योजना की बदौलत जशपुर जिले के 11 बच्चों ने कक्षा 10 वीं की प्रावीण्य सूची में एवं 1 बच्चे ने कक्षा 12 वीं की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर जिले को गौरान्वित किया है।

यशस्वी जशपुर कार्ययोजना जशपुर जिले के लिए विद्यालयीन स्तर पर वरदान साबित हो रही है। जिसके कारण इस जिले के बच्चे बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर रहे हैं वही प्रदेश में 10 वीं प्रावीण्य सूची मे स्थान बनाने वाले जिलों में लगातार दूसरे वर्ष जशपुर जिला अव्वल रहा है।

राज्य की प्रावीण्य सूची में सम्मिलित विद्यार्थियों मे 01 संकल्प जशपुर , 02 संकल्प पत्थलगांव, 06 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम जशपुर, 03 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम पत्थलगांव, 01 प्रयास आवासीय विद्यालय जशपुर से हैं। कक्षा 10 वीं में 99.50 प्रतिशत के साथ सिमरन शब्बा सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही इस वर्ष कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा में इन विद्यार्थियों ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया है - सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर से 98.33 प्रतिशत के साथ श्रेयांश कुमार यादव ने तृतीय स्थान, संकल्प जशपुर से 98.17 प्रतिशत के साथ अर्पिता शैली कुजूर ने चतुर्थ स्थान, सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर से 97.83 प्रतिशत के साथ दिमित्रा सिंह खडग ने छठवां स्थान, संकल्प पत्थलगांव से 97.83 प्रतिशत के साथ रसिना चैहान और प्रीति समदूर दोनों ने छठवां स्थान, सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर से 97.67 प्रतिशत के साथ उमा बरेठ ने सातवां स्थान, सेजेस अंग्रेजी माध्यम पत्थलगांव से 97.67 प्रतिशत के साथ करिना सिंह ने सातवां स्थान, सेजेस अंग्रेजी माध्यम पत्थलगांव से 97.33 प्रतिशत के साथ सलोनी सिंह ने नवां स्थान, सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर से 97.17 प्रतिशत के साथ मोना यादव ने दसवां स्थान, प्रयास आवासीय विद्यालय जशपुर से 97.17 प्रतिशत के साथ आयुष साहू ने दसवां स्थान प्राप्त किया हैं। कक्षा 12 वीं में आयुषी गुप्ता ने सेजेस अंग्रेजी माध्यम जशपुर से 96.80 प्रतिशत के साथ पूरे प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया हैं। विद्यार्थियों की इस सफलता पर कलेक्टर जशपुर डॉ.रवि मित्तल, पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी पीके भटनागर, संकल्प जशपुर के प्राचार्य विनोद कुमार गुप्ता, यशस्वी जशपुर के संजीव शर्मा, अवनीश पाण्डेय, शिक्षक ज्योति श्रीवास्तव, ममता सिन्हा, मनीषा भगत, अश्विनी सिंह, दिलीप सिंह, प्रभात मिश्रा, दीपक ग्वाला, राजेन्द्र प्रेमी, शांति कुजूर, मुकेश वर्मा, शिव सुन्दर यादव, छत्रशाल पटेल, नितेश गुंजन पैंकरा स्टाफ टीसी कश्यप, दिलीप राम, दीपक महतो, प्रदीप नायक ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बच्चों को बधाई देते हुए उज्वलल भविष्य की कामना की है।

## सीएम साय ने टॉपर्स सहित विद्यार्थियों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरूवार को जारी माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं और बारहवीं बोर्ड के परीक्षा में सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने दसवीं की टॉपर छात्रा जशपुर की सिमरन शब्बा और बारहवीं की टॉपर छात्रा महक अग्रवाल को बधाई देते हुए उनकी उज्वल भविष्य की कामना की। श्री साय ने असफल विद्यार्थियों से निराश नहीं होने व निरंतर मेहनत करते रहने की बात कही। गुरुवार को माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं और बारहवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित किए। इसमें दसवीं में जशपुर की सिमरन शब्बा, गरियाबंद की मोनिशा और जशपुर के ही श्रेयांश यादव टॉप थ्री में रहे। वहीं बारहवीं में क्रमशः महासमुंद की महक अग्रवाल, बलौदाबाजार की कोपल अम्बष्ठ और जशपुर की आयुषी गुप्ता व बलौदाबाजार की प्रीति टॉप थ्री में रहीं। दसवीं का परीक्षा परिणाम 75.61 प्रतिशत और बारहवीं का परीक्षा परिणाम 80.74 प्रतिशत रहा।

- असफल बच्चे न हो निराश करते रहें मेहनत



प्रदेश के टॉपर को पुष्पगुच्छ देते एसपी शशिमोहन सिंह।

# हादसे ने हाथ छीनी तो बच्ची की मदद के लिए उठे सैकड़ों हाथ

**जशपुरनगर।** एक दर्दनाक सड़क हादसे ने यहां की 12 वर्षीय श्रुति छतरिया की दोनों हाथ छीन लिए। घटना ने यहां के लोगों को झगझोर कर रख दिया है। मदद के लिए सैकड़ों हाथ खड़े हो रहे। समाज सेवी जितेन्द्र सिंह, हरिनाथ दास ने श्रुति छतरिया के निकट भविष्य को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से एक करोड़ की मांग की है। जी एन डब्लू एस के संस्थापक केसर हुसैन ने भी अपने फेसबुक वाल में श्रुति छतरिया के पक्ष में मुख्यमंत्री से एक करोड़ की सहयोग की मांग करने की बात कही है। यह सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। जशपुरवासियों का कहना है मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बच्ची की स्थिति को देखते हुए मना नहीं करेंगे। हादसे के बाद छतरिया परिवार पूरी तरह चिंताग्रस्त और दुखी है। पिता दिलेश्वर छतरिया ने अपने सोशल एकाउंट में अपनी बेटी का वीडियो फोटो अपलोड कर अपना दर्द साझा किया है। दिलेश्वर छतरिया ने बताया कि जिंदगी और मौत से जूझते हुए हादसे में बेटी श्रुति की जान बच गई लेकिन दोनों हाथ डैमेज होने की वजह इलाज के दौरान उसे हाथ गवाने पड़े। फिलहाल उसका राजधानी के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद भुइयां समाज कल्याण समिति ने भी मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखकर सहयोग की मांग की है।

- जशपुरवासियों ने मुख्यमंत्री साय से की एक करोड़ की मांग



## दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि समय पर करने के निर्देश

**जशपुरनगर।** पुलिस महानिरीक्षक यातायात श्रीमती नेहा चंपावत तथा संजय शर्मा पुलिस उप महानिरीक्षक की रायपुर की अध्यक्षता में सड़क दुर्घटनाओं की आई रेड एप में आनलाइन प्रविष्टि के संबंध में राज्य स्तरीय वर्चुअल बैठक ली गई जिसमे जिला जशपुर से जिला सहायक नोडल अधिकारी रामसाय पैंकरा निरीक्षक यातायात प्रभारी, सुनेश्वर साय पैंकरा पुलिस निरीक्षक तथा शशिकांत नायक जिला रोलआउट प्रबंधक आई रेड, एनआईसी जशपुर सम्मिलित हुए थे। बैठक के मुख्य बिंदुओं में थानावार दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि, माननीय उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुसार ₹हिट एंड रन₹ के मामलों में 30 दिनों के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा इसके विरुद्ध दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों पर कृत कार्यवाही शामिल थे। राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि में जशपुर जिला द्वितीय स्थान पर है जिसके लिए जिले की काफी प्रशंसा भी हुई। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में कुल 353 प्रकरण तथा वर्ष 2024 में 8 मई 2024 तक कुल 180 प्रकरणों की शत प्रतिशत प्रविष्टि की गई है। सड़क दुर्घटनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु आई रेड एप एनआईसी द्वारा विकसित किया गया है जिसमें प्रविष्ट किए गए सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाकर सुधारात्मक कार्यवाही किया जा सके।

अधिकारियों की बैठक लेती श्रीमती नेहा चंपावत।

### मतदान प्रतिशत में हुई 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी

## प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अपनी सहभागिता प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, शासकीय एवं अशासकीय संगठनों, लोकसेवी संस्थाओं और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी सहभागिता दी।

उन्होंने निर्वाचन कार्य में संलग्न एवं नियोजित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्रीमती कंगाले ने केन्द्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बल के प्रति भी आभार व्यक्त किया है जिन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने आम निर्वाचन के दौरान निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों एवं निर्वाचन गतिविधियों के प्रभावी प्रचार-प्रसार के साथ ही मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित किया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने मतदाताओं को जागरुक और मतदान के लिए प्रेरित करने वाले सभी लोगों, शासकीय एवं गैर शासकीय प्रतिभागियों, विभिन्न लोक सेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में इस बार लोकसभा चुनाव के मतदान प्रतिशत में 1.31 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के लिए तीन चरणों में हुए मतदान में यहां के कुल 72.8 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह प्रदेश में हुए अब तक के लोकसभा चुनावों में मतदान का सर्वाधिक प्रतिशत है।

**खास बातें**

- तीन चरणों में हुए मतदान में कुल 72 .8 प्रतिशत मतदान
- प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति आभार व्यक्त किया



रीना बाबासाहेब कंगाले।

## आईटी सेल कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मयंक रोहिला को पोस्ट करना पड़ा भारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पत्थलगांव

पत्थलगांव की आईटी सेल कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मयंक रोहिल्ला द्वारा लगातार शहर के सोशल मीडिया के शहर मंच ग्रुप में एडिटिंग कर भाजपा नेताओं के पोस्टर एवं वीडियो डाले जा रहे थे इसको लेकर गुरूवार को भाजपा मंडल ने पुलिस थाने में कार्रवाई के लिए लिखित शिकायत दी है। इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी मंडल पत्थलगांव शहर के महामंत्री अंकित बंसल द्वारा बताया गया कि मयंक रोहिला द्वारा पूर्व में भी कई बार सोशल मीडिया ग्रुप में भाजपा के नेताओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी एवं पोस्ट किया जा चुका है। इससे पार्टी की छवि एवं नेताओं की छवि पर गलत असर पड़ रहा था। हमारे द्वारा राज्य के वरिष्ठ नेताओं को मामले की जानकारी देने के बाद वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर मयंक रोहिला के खिलाफ भाजपा नेता पर की गई टिप्पणी एवं वीडियो को लेकर पत्थलगांव एसडीओपी एवं थाना प्रभारी को लिखित शिकायत प्रेषित की गई है एवं उक्त व्यक्ति पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई है। महामंत्री अंकित बंसल ने बताया कि मयंक रोहिला जो कि पत्थलगांव सोशल मीडिया व्हाट्सअप में शहर मंच नामक ग्रुप का एडमिन है व अपने आप को जर्नलिस्ट बताता है उसके द्वारा इस तरह की हरकत असहनीय है। शिकायत करने वालों में भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता,मंडल अध्यक्ष हिमांशु शर्मा, सुरेश साहू,नरेश यादव,रितिक अग्रवाल,राहुल जोशी सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

**खास बातें**

- पत्थलगांव भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं ने पोस्ट को लेकर जताई नाराजगी
- थाने में की लिखित शिकायत

### जांच के बाद की जाएगी विधिवत कार्रवाई

एसडीओपी से जब बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि भाजपा द्वारा शिकायत आवेदन दिया गया है जिस पर मामले की जांच कर विधिवत कार्रवाई की जावेगी।

**धुर्वेश जायसवाल**
पत्थलगांव एसडीओपी

9- MAY-Jash-RAG-JANJ-Bhoomi pg-2_Layout 1 5/9/2024 8:35 PM Page 1



## खबर संक्षेप

### लायंस क्लब ने शीतल पेयजल व चाय-बिस्किट किया वितरित

**कोरबा।** लायंस क्लब्स इंटरनेशनल द्वारा संचालित लायंस क्लब कोरबा ने नगर पालिक निगम कोरबा के तत्वावधान में 7 मई को आईटी कॉलेज परिसर में लोकसभा निर्वाचन 2024 के वोटिंग पश्चात वोटिंग मशीन जमा करने आये सभी व्यक्तियों एवं उपस्थित कर्मचारियों के लिए शुद्ध शीतल पेयजल, चाय व बिस्किट की व्यवस्था किया। शाम 7 से लेकर सुबह 4 बजे तक चले इस कार्यक्रम में सैंकड़ों लाभान्वित हुए। निगम आयुक्त ने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया व कार्य की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में सत्येन्द्र वासन, रोहित राजवाड़े, रविशंकर सिंह, दीपक माखीजा, दीपक अग्रवाल, संतोष खरे एवं अन्य लायन सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही।

### 24 साल बाद बन रहा संयोग, अक्षय तृतीया के दिन विवाह का मुहुर्त नहीं

**कोरबा।** वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया 10 मई को आ रही है। अक्षत तृतीया को अबूझ मुहूर्त कहा जाता है, इस दिन बिना मुहूर्त के भी विवाह की मान्यता है। इस बार अक्षय तृतीया के दिन गुरु व शुक्र का तारा अस्त होने से विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होंगे। विवाह के शुद्ध व शुभ मुहूर्त के लिए जुलाई तक इंतजार करना होगा। विवाह के लिए गुरु व शुक्र के तारे का उदित होना आवश्यक है। इन दोनों में से किसी एक के भी अस्त रहने पर विवाह आदि मांगलिक कार्य नहीं होते हैं। अक्षय तृतीया को अबूझ मुहूर्त कहा जाता है, इस दिन बिना मुहूर्त के भी युवक-युवतियों का विवाह कराया जाता है।लेकिन इसके लिए भी गुरु व शुक्र के तारे का उदित होना जरुरी है।बिना पंचांग देखे शुभ कार्य संपन्न किए जाने वाला अबूझ महामुहूर्त अक्षय तृतीया को माना जाता है। लगभग 24 साल बाद ऐसा संयोग बन रहा है, जब अक्षय तृतीया के दिन विवाह का कारक ग्रह माने जाने वाले शुक्र और गुरु तारा अस्त होने से इस दिन विवाह मुहूर्त नहीं है। हालांकि अक्षय तृतीया को महामुहूर्त माने जाने से शुभ संस्कार संपन्न होंगे।

### एसईसीएल में मनाया गया विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस

**कोरबा।** एसईसीएल क्षेत्रीय मुख्यालय कोरबा क्षेत्र में बीते दिनों कार्यस्थल पर सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए विश्व दिवस के अवसर पर डॉ.आरके गुप्ता, महाप्रबंधक (संचालन), एसईसी एल कोरबा क्षेत्र द्वारा सुरक्षा ध्वज फहराया गया। इसके उपरांत कोल इंडिया के कोरपोरेट गीत का समवेत स्वर में गायन किया गया एवं कोल इंडिया के चेयरमैन का संदेश को सुनाया गया। इस अवसर पर समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी कर्मचारियों को सुरक्षा बैज लगाया गया। महाप्रबंधक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि कोल इंडिया में कोयला उत्पादन का कार्य चुनौती पूर्ण है, जहां प्रति दिन शून्य दुर्घटना का लक्ष्य के साथ उत्पादन करते है सुरक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहना पड़ता है। उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा व स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है जिससे की प्रत्येक कर्मचारी अपने सुरक्षा व स्वास्थ्य के प्रति सजग हो सके। मानिकपुर कोरबा क्षेत्र के कामगारों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के द्वारा कामगारों को जागरूक किया गया।

## ठेका कर्मियों के भरोसे जिले की विद्युत व्यवस्था, अधिकारी नहीं उठाते फोन

# टेक्निकल कर्मी ऑफिस में, उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा हर्जाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

विद्युत वितरण विभाग के ज्यादातर टेक्नीकल कर्मियों को ऑफिस में अटैच कर दिया गया है। जिसकी वजह से मैदानी इलाकों में टेक्नीकल कर्मियों की कमी की समस्या बनी हुई है। कोई भी टेक्नीकल कर्मी फील्ड में नजर नहीं आता केवल चंद ठेका कर्मियों के भरोसे ही वितरण विभाग बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगा हुआ है जिसका खामियाजा उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है। छोटी बड़ी किसी भी तरह की तकनीकी खामी आने पर लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इसकी बानगी तब नजर आयी जब मंगलवार को आंधी तूफान की वजह से पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। मैदानी अमले में टेक्नीकल कर्मियों की कमी की वजह से शहर के दर्जन भर से अधिक स्थानों पर रात भर बिजली गुल रही और लोगों को भीषण गर्मी में रतजगा कर रात गुजारना पड़ा।

**खास बात**

- मैदानी अमले की कमी से जूझ रहा वितरण विभाग, लोगों को रतजगा कर गुजारनी पड़ रही रात

आंधी-तूफान के बाद जिले में अधिकतर स्थानों पर विद्युत व्यवस्था चरमरा गई थी। लगभग 24 घंटे तक कई जगहों पर विद्युत आपूर्ति ठप पड़ रही। बुधवार की शाम को भी वितरण विभाग के कार्यालयों में उपभोक्ताओं की भीड़ देखने को मिली। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में विद्युत व्यवस्था का आलम क्या है। टीम व मरम्मत के अभाव में कई स्थानों में अब भी बिजली गुल है जिसकी वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है। भीषण गर्मी में बिजली कटौती से लोग हलाकान रहे। मंगलवार की शाम चली तेज आंधी तूफान की वजह से जिले की विद्युत व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी। दरअसल आंधी तूफान की वजह से कई स्थानों पर पेड़ व डंगाल टूटने की वजह से केबल क्षतिग्रस्त हो गए थे जिसकी वजह से लगभग पूरा शहर घंटों तक अंधेरे में डूबा रहा। रात होते तक विद्युत वितरण विभाग के सब स्टेशन में शिकायतों का अंबार लग गया। अधिकतर स्थानों पर बिजली गुल व उपभोक्ताओं की शिकायत को देखते हुए विद्युत वितरण विभाग के अधिकारी हरकत में आए और मरम्मत कार्य शुरु किया गया। देर रात तक शहर के पुरानी बस्ती, टीपी नगर, बुधवारी, निहारिका, सीएसईबी कालोनी, आईटीआई, कोसाबाड़ी जैसे प्रमुख स्थानों पर विद्युत आपूर्ति बहाल की गई पर शहर में दर्जन भर से अधिक स्थानों पर बिजली आपूर्ति दुरुस्त नहीं की जा सकी। जिसकी वजह से लोगों को रात भर अंधेरे में गुजारना पड़ा।

सब स्टेशन के बाहर खड़ी विद्युत वितरण विभाग की वाहन।

### कटघोरा में भी बेतहाशा बिजली की कटौती

कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ रही भीषण गर्मी व चिलचिलाती धूप से जहां लोग बेहाल हैं। वहीं बिजली की बेतहाशा कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या लोगों को रूला दे रही है। अंधाधुंध विद्युत कटौती से लोग परेशान हो गए हैं। कटघोरा नगर व आसपास के क्षेत्रों में हो रही बेतहाशा विद्युत कटौती से इस भीषण गर्मी में लोग उबल जा रहे हैं। इतना ही नहीं अगर बिजली आई भी तो वोल्टेज की समस्या। लो-वोल्टेज के कारण कूलर, पंखा भी बेकार साबित हो रहा है। इस भीषण गर्मी में बिजली कटौती ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। पसीने से तर बतर लोग हाथ में बेना लेकर किसी तरह दिन-रात काट रहे हैं। इस भीषण गर्मी में बिजली न रहने के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सबसे बड़ी समस्या पेयजल को लेकर हो रही है।

### एक केबल जोड़ने में लगे 22 घंटे

कोसाबाड़ी जोन के पोड़ीबहार में पेड़ गिरने से केबल क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसकी वजह से लगभग 22 घंटे तक क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति ठप पड़ी रही। रात में कई बार की शिकायत के बाद भी विद्युत व्यवस्था बहाल नहीं की जा सकी। जिसकी वजह से रात भर लोगों को अंधेरे में गुजारना पड़ा। मंगलवार की सुबह जब अधिकारियों का फोन चालू हुआ तब शिकायत के बाद मरम्मत के लिए टीम पहुंची जिसके बाद दोपहर 4 बजे विद्युत आपूर्ति बहाल की जा सकी।

### शिकायत का नहीं होता फायदा

सब स्टेशन कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचने वाले उपभोक्ताओं को जिम्मेदार अधिकारियों के नहीं होने की वजह से निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा था। कार्यालय में केवल ठेका कर्मियों को तैनात कर दिया गया था जिनके द्वारा रजिस्टर में शिकायत दर्ज कर अपने कर्त्तव्यों की इतिश्री कर ली जा रही थी। बिजली गुल से आक्रोशित लोगों का आरोप है कि ठेका कर्मियों द्वारा ना ही अधिकारियों का नंबर दिया जाता है और ना ही फील्ड में तैनात ठेका कर्मियों की। अगर कहीं से नंबर मिल भी जाए तो विभाग के कर्मी फोन उठाना भी लाजमी नहीं समझते।

### फील्ड पर नहीं उतरते टेक्नीकल कर्मी

प्रदेश के अधिकतर जिलों में इमरजेंसी के दौरान बिजली गुल होने पर ऑफिस में कार्यरत टेक्नीकल कर्मियों को फील्ड में उतारा जाता है जिससे जल्द से जल्द विद्युत व्यवस्था बहाल की जा सके। पूरे प्रदेश में इकलौता कोरबा जिला ऐसा है जहां पूरे शहर में अंधेरा छाने के बाद भी टेक्नीकल कर्मी ऑफिस से बाहर नहीं निकलते। केवल ठेका कर्मियों के भरोसे ही विद्युत व्यवस्था सुधार का काम किया जाता है यही वजह है कि छोटी बड़ी किसी भी तरह की तकनीकी खामी आने पर लोगों को घंटों बिजली गुल की समस्या का सामना करना पड़ता है।

### बिजली कटौती से हो रहे बीमार

गर्मी व उमस में बिजली कटौती से लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है। इससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। उपभोक्ता झुंझला जा रहे हैं। व्यापारियों का धंधा भी प्रभावित हो रहा है। कार्यालयों में लोग सुस्त हैं। तमाम लोग डायरिया व अन्य बीमारी की गिरफ्त में आ जा रहे हैं। बेतहाशा बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ताओं में उबाल देखा जा रहा है। उपभोक्ताओं का गुस्सा फूटकर किसी भी दिन सड़क पर एक बड़े आंदोलन के रूप में उतर सकता है।

# घर में लगी आग, हजारों का माल जल कर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

मंगलवार की दोपहर 4 बजे अचानक हुए मौसम में बदलाव के साथ तेज आंधी व बारिश होने लगी। हाई वोल्टेज के कारण एक मकान के किचन में शॉर्ट सर्किट हो गया। जिसके कारण किचन में रखे फ्रिज के साथ सारा सामान जलकर खाक हो गया। घटना का सुखद पहलू यह रहा कि आग अन्य कमरों तक नहीं फैली। घटना डिंगापुर स्थित पुष्प पल्लव बिल्डिंग के सेकण्ड फ्लोर के 104 नंबर मकान में घटी। शाम के वक्त जिस समय आग लगी उस वक्त घर के अंदर कोई नहीं था अन्यथा बड़ी घटना घटित हो सकती थी। घर के मालिक जे पी खरे ने बताया कि जिस वक्त घर में आग लगी वो चुनाव ड्यूटी पर गए थे और उनके बच्चे घर पर नहीं थे। आग शार्ट सर्किट की वजह से लगी है। घर के अंदर धुंआ भर गया था। काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

# अनियंत्रित कार पलटी जा गिरी खेत में

**कोरबा।** तेज रफ्तार और नशा कर वाहन चलाना लगातार लोगों की जान ले रहा है। आये दिन कही न कही दुर्घटना में लोगों की जान जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार की दोपहर लगभग बजे दीपका की ओर से आ रही तेज रफ्तार ग्लेंजा कार सीजी 12 बीबी 6802 कुचेना एनटीपीसी पुल से ठीक पहले बंटी होटल के पास अनियंत्रित होकर सड़क से उतर कर कई बार पलटते हुए खेत में जा पहुंची। इस हादसे में कार सवार राहुल अग्रवाल और एक अन्य को गंभीर चोट लगी है, घटना की सूचना पर कुसमुंडा पुलिस मौके पर पंहुची, घायलों को नजदीक अस्पताल उपचार के लिए ले जाया गया जहां उनका उपचार जारी है।

# पीएमजीएसवाई को सौंपेगा पीडब्ल्यूडी अपनी सड़कें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

ग्रामीण अंचलों में लोक निर्माण विभाग के द्वारा पूर्व में बनाई गई अपनी सड़कों को अब पीएमजीएसवाई को सौंपने की तैयारी कर रहा है। पूर्व में उसके द्वारा 12 सड़कें पीएमजीएसवाई को सौंपी गई है। जिनके मरम्मत का काम पीएमजीएसवाई के द्वारा पूर्व में किया जा चुका है। शेष सड़क मिलने के बाद उनके जीर्णोद्वार का काम विभाग के द्वारा किया जाएगा।

**खास बातें**

- ग्रामीण अंचलों में पूर्व में बनाई गई सड़कों को सौंपने की तैयारी
- पहुंच विहीन क्षेत्रों में पीएमजीएसवाई करेगा सड़कों का निर्माण

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना गठन के पूर्व ग्रामीण अंचलों में सड़कों का निर्माण लोक निर्माण विभाग के द्वारा किया जाता था, जिसके तहत जिले के कस्बा एवं बड़े ग्राम पंचायतों तक लोक निर्माण विभाग ने सड़कों का निर्माण किए जाने से ग्रामीण अंचलों के निवासियों को एक बड़ी सुविधा मिली थी। कई पहुंचविहिन गांव मुख्य मार्ग से जुड़ गए थे। उसके बावजूद जनजाति क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा था। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क प्रकोष्ठ गठन के बाद ऐसे ग्रामीण अंचलों में सड़कों का निर्माण किया गया जहां लोक निर्माण विभाग ने अपनी सड़के नहीं बनाई थी। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिला मुख्यालय से विकासखंड मुख्यालय को जोड़ने के लिए सबसे पहले सड़के बनाने के बाद ब्लॉक मुख्यालय से बड़े ग्राम पंचायतों को जोड़ने का काम किया गया जिससे आमजनों को पहुंच मार्ग की सुविधा मिल सकी थी। ऐसे सड़कों को अब लोक निर्माण विभाग के द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क प्रकोष्ठ को सौंपा जा रहा है। पूर्व में 12 सड़कें पीएमजीएसवाय प्रकोष्ठ को सौंपी जा चुकी है। इनके अलावा अन्य सड़कों को भी लोक निर्माण विभाग सौंपने की तैयारी कर रहा है। ऐसी सड़कों का पूर्व में जीर्णोद्वार का कार्य नहीं हो सका था जिससे आवागमन करना ग्रामीणों को कठीन हो गया था। विशेषकर बरसात के दिनों में ऐसी सड़कों से आवागमन पूरा हो जाता था।

### जीर्णोद्वार की बाट जोह रही दो बड़ी सड़कें

विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा की जल्के तनेरा सड़क लोक निर्माण विभाग की पुरानी सड़कों में शामिल हैं। लगभग 12 किमी लंबी यह सड़क मरम्मत की बाट जोह रही थी। विभाग के द्वारा कुछ दूर तक मरम्मत का कार्य कराया गया था। उक्त सड़क को अब पीएमजीएसवाई को सौंपा जाएगा। इनके अलावा कुदमुरा, श्यांग सड़क जो लगभग 35 किमी लंबी सड़क है लोक निर्माण विभाग की पुरानी सड़क होने के बावजूद अभी भी पूरी तरह नहीं बन सकी है। ग्रामीणों की लंबी लड़ाई के बाद कुदमुरा से जिल्गा बरपाली तक सड़क बन सकी है। जिल्गा से श्यांग 12 किमी सड़क निर्माण कार्य अभी भी अधूरा पड़ा हुआ है। वहीं भैसमा, तुमान लोक निर्माण विभाग की सड़क थी जिससे पीएमजीएसवाई के हवाले कर दिया गया है।

### इन क्षेत्रों में बिछा जाल

पीएमजीएसवाई के द्वारा ग्रामीण अंचलों में सड़कों का जाल बिछाया गया है। जिनमें कोरबा विकासखंड जामबहार से देवपहरी तक, इसी तरह झगरहा से कोरकोमा होते कोल्गा मदनपुर, बताती से चचिया तक सड़क निर्माण किया गया है। इसी तरह पाली विकासखंड अंतर्गत घुईचुंआ से बालीउमराव व पहाड़गांव होते हुए जटगा तक सड़क निर्माण किए जाने से जटगा और पाली अंतर्गत आने वाले पहाड़ी क्षेत्र में बसे गांव पहुंच मार्ग में जुड़ चुके हैं।

# आउटसोर्सिंग कंपनियों में नौकरी व मुआवजे की मांग को लेकर भूविस्थापितों ने खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल दीपका खदान से प्रभावित ग्राम अमगांव व सुवाभोड़ी के भूविस्थापितों ने मुआवजा व आउटसोर्सिंग कंपनियों में नौकरी की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने कोयला उत्खनन व ओवरबर्डन कार्य में लगे मशीनों को बंद कर दिया और धरना प्रदर्शन शुरु कर दिया। सूचना मिलने पर दीपका प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित ग्रामीणों को समझाइश देने का प्रयास किया। इसके बाद भी ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन जारी रखा जिसके बाद प्रबंधन द्वारा पुलिस बल को बुलाकर आंदोलन को समाप्त करने का प्रयास किया गया लेकिन भूविस्थापितों ने साफ कह दिया किा जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होंगी हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

भूविस्थापितों ने कहा कि ग्राम पंचायत सुवाभोड़ी के मुआवजे को लेकर प्रबंधन अनेक बाधाये उत्पन्न कर रही है जिसके कारण मुआवजा प्राप्त करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है दस्तावेजों को इतनी जटिल कर दिया गया है जिसके कारण मुआवजा राशि का भुगतान नहीं हो पा रहा है इसे सरल किया जाना बहुत जरूरी है पिछले दिनों भूविस्थापितों के प्रतिनिधित्व करने वाले मनीराम भारती का भी मुआवजा संबंधित दस्तावेज पूर्ण करने के बाद भी मुआवजा का भुगतान एसईसीएल दीपका प्रबंधन नहीं कर रहा था जिसके कारण अर्धनंग प्रदर्शन करके मुआवजा का भुगतान करने पर विवश हुआ। दूसरी ओर अमगांव पंचायत के ग्रामीणों ने अमगांव फेस पर सुबह 10 बजे से ही कार्य में लगे मशीनों को बंद कर दिया गया आउटसोर्सिंग कंपनियों में रोजगार देने के लिए एसईसीएल दीपका प्रबंधन वादा किया था दो माह बीत जाने के बाद भी एसईसीएल प्रबंधन के द्वारा अमगांव के बेरोजगार नौजवानों को अभी तक आउटसोर्सिंग कंपनियों में नियोजित नहीं कर पाया जिससे नाराज ग्रामीणों ने दीपका कोयला खदान के खनन कार्य में लगे मशीनों को बंद कर दिया।

ग्रामीणों को समझाते पुलिस अधिकारी।

## 4 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ प्रदेश के सरकारी कोष में जमा किए 5883 करोड़ रुपए

# एसईसीएल ने सरकारी कोष में जमा किए रिकॉर्ड 17 हजार 474 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनियों में शामिल एसईसीएल ने बीते वित्तीय वर्ष 2023-24 में सरकारी कोष में रिकॉर्ड 17 हजार 474 करोड़ रुपए का योगदान दिया है। वित्त-वर्ष 2023-24 के कुल योगदान में विभिन्न करों के माध्यम से एसईसीएल ने छत्तीसगढ़ के सरकारी कोष में लगभग 5 हजार 883 करोड़ रुपए जमा किए हैं। छत्तीसगढ़ के सरकारी खजाने में एसईसीएल के योगदान में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 4 फीसदी (220 करोड़ रुपए) से अधिक की वृद्धि देखी गयी है।

एसईसीएल द्वारा की जाने वाली कोयले की बिक्री पर केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा विभिन्न टैक्स लगाए जाते हैं जिनमें आयकर सहित रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ़), जीएसटी, आदि शामिल हैं। छत्तीसगढ़ सरकार के सरकारी खजाने में दिए गए कुल योगदान में रॉयल्टी के रूप में लगभग 2 हजार 843 करोड़ रुपए, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ़) को लगभग 874 करोड़, जीएसटी के रूप में 386 करोड़ रुपए एवं अन्य करों के माध्यम से 1 हजार 778 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। खनिज सम्पन्न छत्तीसगढ़ राज्य में काम करने विभिन्न सरकारी एवं निजी कंपनियों द्वारा सरकारी खजाने में किया जाने वाला योगदान राज्य की प्रमुख आय स्रोतों में से एक है और राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चलाई जाने वाली विभिन्न समाज कल्याणकारी योजनाओं एवं राज्य में बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा आदि से जुड़ी अधोसंरचनाओं के विकास में यह योगदान महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीते वित्तीय वर्ष में एसईसीएल द्वारा केंद्र सरकार के खजाने में 10 हजार करोड़ से अधिक रुपए जमा किए गए जिसमें 7 हजार 600 करोड़ से अधिक का जीएसटी भुगतान शामिल रहा। साथ ही विभिन्न करों के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार को लगभग 1 हजार 472 करोड़ का भुगतान किया गया। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में एसईसीएल का आयकर भुगतान भी लगभग दोगुना हुआ।

# निदेशक तकनीक ने कुसमुंडा खदान का किया निरीक्षण

खदान का निरीक्षण करते एसईसीएल के अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल के निदेशक तकनीक फ्रैंकलिन जयकुमार पिछले दो दिनों से कोरबा प्रवास पर हैं। इस दौरान निदेशक तकनीक ने कुसमुण्डा खदान का निरीक्षण कर कोयला उत्पादन व उत्पादकता की समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को मासिक लक्ष्य प्राप्ति पर जोर देने का निर्देश दिया है।

निदेशक तकनीकी (परियोजना) फ्रैंकलिन जयकुमार 7 मई को कुसमुंडा मेगा प्रोजेक्ट के दौरे पर पहुंचे। खदान में उतरकर उन्होंने कैट पैच सहित खदान के विभिन्न हिस्सों में जाकर खनन गतिविधियों का जायज़ा लिया। इसके साथ ही उन्होंने इन-पिट कन्वेयर सिस्टम के संचालन का निरीक्षण भी किया। दौरे के दौरान क्षेत्रीय महाप्रबंधक राजीव सिंह के साथ रहे।

इयी तरह दूसरे दिन फ्रैंकलिन जयकुमार बुधवार की तड़के 6 बजे कुसमुंडा खदान में पहुंचे। उन्होने शिफ्ट के समय से शुरुआत का मुआयना किया। साथ ही साथ कोल स्टॉक के रखरखाव का भी जायज़ा लिया। इसके उपरांत जयकुमार द्वारा व्यू पॉइंट में क्षेत्र के अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्पादन-उत्पादकता से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की।

हर बच्चे की जिंदगी में उसकी मां बहुत बड़ी जगह रखती है। मां के बिना उसकी जिंदगी सूनी है। मां है तो उसके जीवन में बहार है। टीवी के कुछ चाइल्ड आर्टिस्ट्स **बालभूमि** को बता रहे है, उनकी मां उनके लिए कितनी इंपॉर्टेंट है, उनका सबसे मेमोरेबल मदर्स-डे कौन सा रहा, इस स्पेशल-डे पर ये चाइल्ड आर्टिस्ट्स अपनी मां को क्या मैसेज देना चाहेंगे?

# मेरी मां मेरी दुनिया

## वह मेरी हिम्मत-ताकत और पहचान हैं : जारा वारसी

**जारा वारसी** इन दिनों एंड टीवी के शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में चमची के रोल में सबको खूब हंसा रही हैं। 'मदर्स-डे' का जिक्र आते ही सबसे पहले वह यही बताती है कि उसके लिए, उसकी मम्मी कितना महत्व रखती हैं। जारा बताती है, 'मेरी मां मेरी जिंदगी हैं। वह मेरी हिम्मत, ताकत और मेरी पहचान हैं! उनका पूरा दिन मेरी देखभाल करने में बीतता है, मुझे शो की शूटिंग और अपनी पढ़ाई के बीच तालमेल बैठाने में वह मेरी बहुत हेल्प करती हैं। मैं उनके बिना एक दिन की भी कल्पना नहीं कर सकती।' जारा के लिए उसका अब तक का सबसे यादगार मदर्स-डे कौन-सा था, पूछने पर वह बताती है, 'मेरे लिए सबसे यादगार मदर्स-डे वह था, जब हम भाई-बहनों ने मां को घर पर बनाई ब्रंच के साथ सरप्राइज दिया था। हमने डाइनिंग टेबल को फूलों और मोमबत्तियों से सजाया। जब मां टेबल के पास आईं, तो यह सब देखकर उनका चेहरा खुशी से खिल उठा था। हम सभी ने एक साथ टेस्टी खाने का आनंद लिया।' इस बार जारा की मदर्स-डे के लिए क्या खास प्लानिंग है, वह बताती है, 'मैंने मदर्स-डे के लिए अपनी ड्रॉइंग टीचर की मदद से मम्मी के लिए एक सुंदर-सा मदर्स-डे ग्रीटिंग कार्ड बनाना शुरू कर दिया है। उस दिन घर के सारे काम मैं करूंगी ताकि मम्मी आराम कर सकें। शूटिंग के दौरान, हम सभी चाइल्ड आर्टिस्ट्स अपनी मांओं को एक बड़े केक के साथ सेट पर अचानक सरप्राइज देंगे।' जारा कहती है, 'मैं आज जो कुछ भी हूं, उसमें सबसे बड़ा योगदान मेरी मम्मी का है। मैं उनको हर बात के लिए 'थैंक यू' कहना चाहती हूं।' *

## थैंक यू मां! हर हाल में मेरा साथ देने के लिए : शीहान कपाही

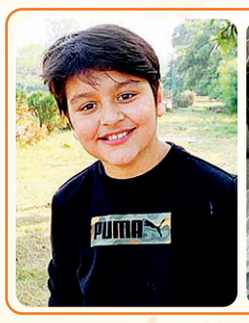

**आजकल शीहान** कपाही ने सोनी सब चैनल पर प्रसारित हो रहे शो 'वागले की दुनिया' में अथर्व वागले के रोल में दर्शकों का दिल जीत रखा है। उसके लिए उसकी मां उसकी दुनिया है। वह बताता है,'मेरी मां मेरे लिए सब कुछ हैं। वह मेरे साथ हर हाल में खड़ी रहती हैं। मैं उनसे अपनी हर बात शेयर करता हूं। उनके प्यार और मार्गदर्शन ने मुझे वो बनाया, जो मैं आज हूं।' शीहान अपना सबसे मेमोरेबल मदर्स-डे याद करते हुए बताता है, 'दो साल पहले की बात है। मदर्स-डे के दिन अपनी मां के लिए नाश्ता बनाकर मैंने उन्हें सरप्राइज दिया था। सुबह जल्दी उठकर, अपने पापा की हेल्प से मैंने उनका पसंदीदा नाश्ता तैयार किया। जब हमने उनके सामने डोसा के साथ ताजे नारियल की चटनी रखी तो वह इसकी खुशबू से खिल उठीं। उनके चेहरे पर मुस्कान देखने लायक थी। इससे पहले मैंने पंखे पर कुछ फूलों की पंखुड़ियां रख दी थीं, ताकि जब वह कमरे में आएं और पंखा चले तो पूरा कमरा उनके स्वागत में फूलों की पंखुड़ियों से भर जाए।' इस साल शीहान अपनी मां के लिए क्या स्पेशल प्लान कर रहा है, वह बताता है, 'मैं मां को मॉल में शॉपिंग के लिए ले जाऊंगा या फिर घर पर उनकी कोई पसंदीदा फिल्म टीवी पर लगा दूंगा। साथ ही मैं उनके लिए कुछ स्पेशल भी करना चाहता हूं, जैसे हाथ से बना कार्ड या हमारे पसंदीदा यादों की एक स्क्रैप-बुक बनाऊंगा। लेकिन सबसे अधिक मैं उन्हें यह बताने के लिए एक्साइटेड हूं कि मां आप मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट हैं। मैं सचमुच आपकी बहुत कद्र करता हूं। आपका प्यार और समर्थन मेरे लिए सब कुछ है। मैं अपनी मां के रूप में आपको पाकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। थैंक यू मां! हर हाल में मेरा साथ देने के लिए, मुझ पर विश्वास करने के लिए।' *



## उनके बिना मेरा जीवन अधूरा है : व्योम ठक्कर

**व्योम ठक्कर** ने एंड टीवी के शो 'अटल' में यंग अटल का रोल प्ले करके एक अलग ही धाक जमा ली है। मदर्स-डे के मौके पर वह अपनी मां के लिए अपनी फीलिंग्स शेयर करते हुए बताता है, 'मेरी मां की मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। मैं उनके लव और सपोर्ट के लिए हमेशा उनको 'थैंक यू' कहता हूं। मेरी मां, मेरी हर जरूरत का ध्यान रखती हैं। वो इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि मैं अपने एक्टिंग करियर और पढ़ाई, दोनों में बेहतर परफॉर्म करूं। दोनों के बीच तालमेल बैठाने में मां मेरी पूरी मदद करती हैं। उनके प्यार और देखभाल की कोई सीमा नहीं है।' व्योम अपना सबसे मेमोरेबल मदर्स-डे भी बताता है, 'एक साल मदर्स -डे पर मैंने मां को एक प्यारा सा पत्र लिखा था, जिसमें मैंने उन्हें बताया था कि वह मेरे लिए कितनी इंपॉर्टेंट हैं। उसके बाद मैंने उन्हें एक स्पेशल गिफ्ट भी दिया था। बाद में हम एक साथ रेस्तरां में डिनर करने गए थे। उस दिन मां के साथ बिताया गया पल मेरे लिए बहुत ही मेमोरेबल है।' इस साल मदर्स-डे को व्योम कैसे स्पेशल ढंग से सेलिब्रेट करेगा, वह बताता है, 'इस बार का मदर्स-डे और भी खास बनाने के लिए मैंने प्लानिंग कर रखी है। सबसे पहले मैं मां की पसंदीदा डिशेज बनाने की सोच रहा हूं। उन्हें फिल्में देखना बहुत पसंद है, हम एकसाथ फिल्म देखने जाएंगे या फिर बाहर घूमने जाएंगे। इसके अलावा मैं उन्हें एक स्पेशल गिफ्ट भी दूंगा। ये सभी प्लानिंग्स मुझे उनके साथ समय बिताने का अवसर देंगी।' व्योम अपनी मां को क्या मैसेज देना चाहेगा, पूछने पर कहता है, 'मां, मैं आपसे कहना चाहूंगा, आप मेरे लिए सबसे इंपॉर्टेंट हैं। मैं आज जो कुछ भी हूं, आपके लव, केयर और सपोर्ट से हूं। मेरी लाइफ को मीनिंगफुल बनाने के लिए थैंक यू मां!' *



प्रस्तुति:हरिभूमि फीचर्स

ऑकेजन / अनुराग मनींद्र

मौका मदर्स-डे का हो तो यह बनता ही है कि अपनी मम्मी को कुछ स्पेशल फील कराया जाए, उन्हें खुशी दी जाए। हम तुम्हें कुछ आइडियाज दे रहे हैं, जिनसे तुम मदर्स-डे को मेमोरेबल बना सकते हो।

# मम्मी को फील कराओ स्पेशल

बच्चों, हमारी जिंदगी में मां बहुत ही महत्व रखती हैं। मां हमारा बहुत ज्यादा ध्यान रखती हैं ताकि हमें कोई तकलीफ ना हो, हम हमेशा खुश रहें। हमें जरा-सी तकलीफ हुई नहीं कि हमारी मांएं परेशान हो जाती हैं, तुरंत ही हमारी परेशानी को दूर करने में जुट जाती हैं। जब तक हमारी परेशानी दूर नहीं होती, उन्हें चैन नहीं पड़ता।

बच्चों, जिस तरह मां हमारी इतनी चिंता करती हैं, हमारी छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखती हैं, उनके प्रति हमारे भी कुछ दायित्व हैं, जिम्मेदारी है कि हम भी उनका पूरा ध्यान रखें। उन्हें कभी कोई तकलीफ नहीं होने दें। हम हर दिन तो उनका ख्याल रखें ही, लेकिन जब 'मदर्स-डे' जैसा अवसर आए तो हम उन्हें कुछ स्पेशल भी फील कराएं।

**अपनी फीलिंग्स ऐसे करो एक्सप्रेस:** बच्चों, मदर्स-डे के दिन अपनी मम्मी के लिए तुम्हारी जो भी फीलिंग्स हैं, उन्हें एक कागज पर लिख लो। उनके लिए तुम कोई प्यारी-सी कविता भी लिख सकते हो या फिर मदर्स-डे की थीम पर कोई ड्रॉइंग, पेंटिंग बना सकते हो। इसे मदर्स-डे की सुबह-सुबह चुपके से मम्मी के तकिए के नीचे या फिर किसी ऐसी जगह रख दो कि सोकर उठते ही मम्मी की नजर सबसे पहले इसी पर पड़े। तुम्हारा यह 'सरप्राइज मैसेज' तुम्हारी मम्मी को बहुत ही प्यारा लगेगा।

**दो प्यारा-सा गिफ्ट :** बच्चों, मदर्स-डे के स्पेशल ऑकेजन पर आजकल मार्केट में तरह-तरह के गिफ्ट आइटम्स और कार्ड्स अवेलेबल होते हैं। तुम अपनी पॉकेट मनी से अपनी मम्मी के लिए कोई प्यारा-सा गिफ्ट या कार्ड खरीद कर उन्हें दे सकते हो। लेकिन ज्यादा अच्छा यह होगा कि तुम अपने हाथों से कोई गिफ्ट या कार्ड बनाकर उन्हें दो। मम्मी को तुम्हारे हाथों से बनाया हुआ गिफ्ट मार्केट से खरीदे हुए गिफ्ट से अधिक पसंद आएगा।

**मम्मी को दो पूरा आराम :** बच्चों, हर रोज सुबह से लेकर रात तक तुम्हारी मम्मी के पास बहुत सारे काम रहते हैं। मदर्स-डे के दिन अपनी मम्मी को घर का कोई भी काम मत करने दो। सुबह से लेकर रात तक के सारे कामों की जिम्मेदारी तुम लो। मदर्स-डे के दिन मम्मी से बोलो, 'आज आप आराम करें, एंज्वॉय करें।' घर के कामों में अपने भाई-बहन की भी हेल्प ले सकते हो। मदर्स-डे के दिन अपने हाथों से बनी कोई स्पेशल डिश अपनी मम्मी को जरूर खिलाओ। इसे खाकर उन्हें मजा आएगा। *

### अपनी दादी-नानी मां को भी करो विश

बच्चों, अगर तुम्हारी दादी मां तुम्हारे साथ रहती हैं, तो मदर्स-डे पर तुम उन्हें भी विश करो, यह ना भूलो कि वह तुम्हारे पापा की मम्मी हैं, घर में सबके प्यार और सम्मान की हकदार हैं। अगर दादी मां तुम्हारे साथ नहीं रहती हैं, होम टाउन में रहती हैं तो तुम उन्हें कॉल या वीडियो-कॉल करके विश करो। उन्हें बहुत अच्छा लगेगा। बच्चों, सिर्फ दादी मां को ही नहीं, अपनी मम्मी की मम्मी यानी नानी मां को भी मदर्स-डे पर विश करो। जब तुम उन्हें 'हैप्पी मदर्स-डे' बोलोगे तो वह बहुत ज्यादा खुश होंगी, निहाल हो जाएंगी।

## जीके क्विज- 103

1.किस विश्व प्रसिद्ध धावक को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का ब्रैंड एंबेसेडर बनाया गया है?
2.हाल ही में किस जात्रा (विक्टिर यात्रा) महोत्सव-2024 किस देश में आयोजित हुआ?
3.भारतीय संसद की एक वर्ष में कम-से-कम कितनी बैठकें होनी आवश्यक है?
4.कौन-सा रंग रैनबो के बीच में दिखाई देता है?
5.जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
6.कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
7.'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?
8.बल का मात्रक क्या होता है?
9.गौतम बुद्ध के बचपन का नाम क्या था?
10.'गीतांजलि' किसकी रचना है?

बच्चों, जीके क्विज-103 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

**जीके क्विज-102 का उत्तर :** 1.एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, 2.आईजीआई एयरपोर्ट-दिल्ली, 3.इंडोनेशिया, 4.बृहस्पति, 5.साइरस (डॉग स्टार), 6.मौलाना अबुल कलाम आजाद, 7.दूसरा, 8.प्लेटिनम, 9.बछेंद्री पाल, 10.मेसपोटामिया

**जीके क्विज-102 का सही उत्तर देने वाले:** यदुवेंद्र-महेंद्रगढ़, मानवी मधुकर-बिलासपुर, राहुल-हिसार, सरबजीत-करनाल, बी.ईशान- अहमदाबाद, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, प्रिया-दुर्ग, नेहा-सूरजपुर, कबीर-हिसार, पृथ्वीराज,मुस्कान- ईंमेल से

## हंसगुल्ले



**चिंटू :** चिंटू बताओ, अकल बड़ी या भैंस?
**मिंटू :** पहले दोनों की डेट ऑफ बर्थ बताओ, फिर बताऊंगा।
-चांदनी, दुर्ग

**पिंकी :** मम्मी, मैं टीवी देखते-देखते होमवर्क कर लूं?
**मम्मी :** हां, ठीक है! लेकिन टीवी ऑन मत करना।
-रुचित, जींद

**अंकल (रोहित से) :** बेटा, आपके पापा का क्या नाम है?
**रोहित :** अंकल, मैं उन्हें नाम से नहीं बुलाता हूं। बस प्यार से पापा ही कहता हूं।
-आकाश, रायपुर

**सोनू :** विटामिन सी सबसे ज्यादा किस सब्जी या फल में पाया जाता है?
**मोनू :** हरी मिर्च में।
**सोनू :** तुम्हें कैसे पता?
**मोनू :** क्योंकि इसे खाने के बाद मुंह से 'सी..सी..' की आवाज निकलती है।
-रानी, भोपाल

कहानी
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

नेहा मैडम ने क्लास में इंट्री की। उनके हाथ में पहेली का एक कार्ड था। क्लास के बच्चों को समझते देर न लगी कि कोई खास दिवस आने वाला है। जब भी कोई स्पेशल-डे आने को होता, नेहा मैडम पहेली बूझती हैं। इस बार नेहा मैडम ने जो पहेली पूछी, उसकी चारों पंक्तियों में एक ही शब्द भरना था। नेहा मैडम ने बच्चों से पहेली पूछना शुरू किया, 'सारे जग से न्यारी... , ममता भरी पिटारी..., सचमुच बहुत दुलारी..., सब बच्चों को प्यारी...!'

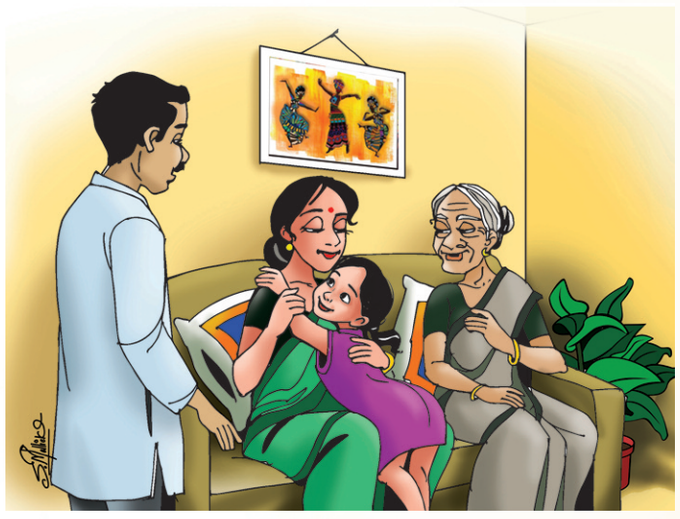

'मां... मां... मां... मां!' सारे बच्चे एक साथ बोले।

मैडम हंसीं, पूछा, 'क्या बता रहे हो? मामा या मां..?'

'मां!' बच्चों ने फिर एक-साथ उत्तर दिया। मैडम खुशी से बोलीं, 'हम्म...वैरी गुड!' फिर उन्होंने पूछा, 'तो बताओ, मां के लिए तुम लोग मदर्स-डे पर क्या स्पेशल करने वाले हो?'

एक बार फिर सारी क्लास में शोर गूंज उठा। हर बच्चा जोर-जोर से बोलने लगा। मैडम ने समझाया, 'ऐसे नहीं, एक-एक कर बताओ।' आगे से एक-एक कर बच्चे 'मदर्स-डे' को लेकर अपनी-अपनी प्लानिंग बताने लगे। कुंज बोला, 'मैं तो उस दिन अपनी मम्मी को एक प्यारा-सा कार्ड बना कर दूंगा।' माधव ने कहा, 'मैं तो पापा से कह कर मम्मी की मनपसंद मिठाई मंगवाऊंगा। मम्मी के साथ खुद भी खाऊंगा।' एलिस बोली, 'मैं तो मम्मी के हाथों पर मेहंदी लगाऊंगी। मैं बहुत अच्छी मेहंदी लगाती हूं।' पुष्कर ने कहा, 'मैं तो मम्मी के काम में उनकी हेल्प करूंगा।'

अगला नंबर रागिनी का था। लेकिन वह तो चुप और खोई-खोई सी बैठी थी। जैसे

क्लास में नेहा मैडम ने बच्चों से पूछा कि वे इस बार मदर्स-डे पर अपनी प्यारी मां के लिए क्या स्पेशल करेंगे? सभी बच्चों ने एक-एक करके अपनी प्लानिंग बताई, लेकिन रागिनी खामोश रही। उसकी आंखों में आंसू थे। उसकी आंखों में आंसू क्यों थे? क्या वह मदर्स-डे सेलिब्रेट नहीं कर पाई?

# सारे जग से न्यारी... मां



इस क्लास में हो ही नहीं। उसके बगल में बैठी सुधा ने उसे हिलाया, 'बोलो-बोलो रागिनी, तुम क्या करोगी?'

रागिनी ने जैसे सुना ही नहीं। पता नहीं वह क्या सोच रही थी। मैडम उसके पास आईं और पूछा, 'क्या हुआ रागिनी, मदर्स-डे पर तुम क्या करने वाली हो?'

रागिनी की आंखों में आंसू छलक आए। धीमे से बोली, 'मैडम, मेरी मम्मी बहुत बीमार हैं। वो अस्पताल में एडमिट हैं। उनके न होने से घर में बहुत प्रॉब्लम्स हो रही हैं। घर में खाना नहीं बन रहा है, बाहर से आ रहा है।' रागिनी ने यह भी बताया कि उसे मम्मी से मिलने अस्पताल भी नहीं जाने दिया गया। वह स्कूल के बाद पापा के वापस आने तक घर में अकेली ही रहती है।

नेहा मैडम ने रागिनी को समझाया, 'चिंता मत करो बेटे, सब ठीक हो जाएगा।'

छुट्टी के बाद रागिनी घर पहुंची। मम्मी के बिना घर कितना अजीब-सा लग रहा था। दीवारें जैसे रो रही थीं। उसके स्कूल से आते ही कैसे मम्मी झट से किचेन में जाती थीं। उसकी मनपसंद चीजें बनाकर उसे खिलाती थीं। रागिनी ने देखा, सारा घर कैसा अस्त-व्यस्त है।

असल में मम्मी का ब्लड प्रेशर लो हो गया था। चक्कर खाकर गिर गई थीं। वैसे भी वह बहुत दुबली और कमजोर हैं। अपना ध्यान ही कहां रख पाती हैं। हर वक्त बस काम में जुटी रहती हैं। रागिनी को लग रहा था, जैसे मम्मी की बीमारी में वह भी कसूरवार है। वह कब काम में मम्मी की हेल्प करती है? कब उनका हाथ बंटाया? स्कूल से आकर कैसे वह अपना सामान बिखरा देती है। सब मम्मी ही तो समेटती हैं। खाना खाकर बर्तन वॉश-बेसिन तक नहीं ले जाती। वह भी मम्मी ही उठाती हैं। इतनी बड़ी हो गई, लेकिन जुराब, टाई, ड्रेस सब कुछ मम्मी से ही मांगती है। मम्मी तो कभी आराम नहीं करती हैं। रागिनी मन ही मन शर्मिंदा हो रही थी। वह चुपचाप उठी और किचेन में जाकर बर्तन धोने लगी, फिर बिस्तर ठीक किया। बिखरा सामान समेटा। मम्मी को याद करते हुए बार-बार उसकी आंखें भीग जातीं। बार-बार उसे सुबकाई आ रही थी। वह मन ही मन बोली, 'सॉरी मम्मी...।'

तभी पापा आ गए। रागिनी को देखकर बोले, 'अरे! तुम यह सब क्या कर रही हो?' पापा कब आ गए, उसको पता ही नहीं चला। रागिनी ने पापा के सवाल पर भी ध्यान नहीं दिया। हां, खुद उनसे पूछा, 'पापा, अब कैसी हैं मम्मी?'

'चलो, मिलो न उनसे। ड्राइंगरूम में हैं। नानी भी आ गई हैं।' पापा ने बताया।

रागिनी खुशी से झूम उठी। वह भागकर ड्राइंगरूम में गई और जाकर मम्मी से लिपट गई। रागिनी ने उनसे कुछ कहा नहीं, फिर भी जाने क्यों उसे ऐसा लग रहा था, मम्मी उसके मन की सारी बातें समझ गई हैं। रागिनी नानी से बोली, 'नानी..नानी! आप मुझे मेरी मम्मी के बचपन की बातें बताएंगी न?' नानी हंसकर बोलीं, 'हां-हां, क्यों नहीं! तेरी मम्मी तो बचपन में बहुत अच्छी थीं, मेरा बहुत ध्यान रखती थीं।'

रागिनी धीरे-से बोली, 'मैं भी अपनी मम्मी का खूब ख्याल रखूंगी।' ऐसा कहते हुए उसने एक प्यारी-सी, मीठी-सी पप्पी नानी के झुर्रियों वाले गाल पर जड़ दी। *

कविता
सूर्य कुमार पांडेय

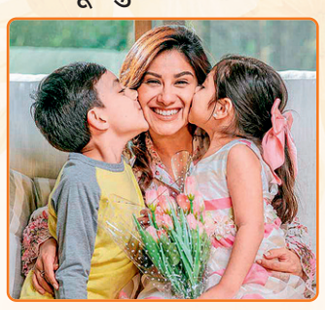



## मां से बढ़कर कौन महान

मां ने हमको जन्म दिया है,
पाल-पोस कर बड़ा किया है।
मां का आंचल सुख की छाया,
मां ने हम पर प्यार लुटाया।
मां रखती बच्चों का ध्यान,
मां से बढ़कर कौन महान!
मां है ममता का अवतार,
भूलें कभी न यह उपकार।
बहुत बड़ी हो जाऊंगी जब,
अपना फर्ज निभाऊंगी तब।
मां को कभी नहीं भूलूंगी,
उनका पूरा ध्यान रखूंगी।
बहुत बड़ा हो जाऊंगा जब,
मां का कर्ज चुकाऊंगा तब।
उनको अपने साथ रखूंगा,
मां की सेवा रोज करूंगा।

## अंतर बताओ

बच्चों, यहां मदर्स-डे से रिलेटेड एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इनमें आठ अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सारे अंतर खोजने हैं, तो देर किस बात की, फटाफट अंतर खोजो।

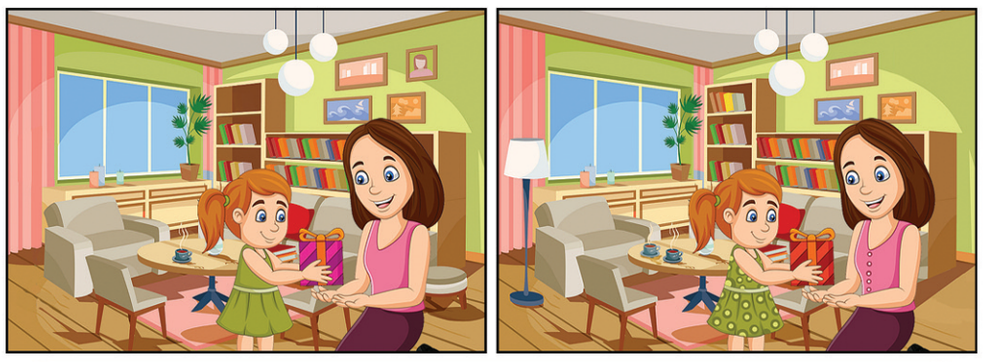



**उत्तर :** 1.बुक-शेल्फ के ऊपरी खाने में किताबें रखी हैं। 2.टेबल पर चाय के दो कप रखे हुए हैं। 3.लड़की की फ्रॉक प्रिंटेड है। 4.सोफे के बगल में लैंप-शेड रखा हुआ है। 5.गिफ्ट की पैकिंग का कलर डिफरेंट है। 6.मम्मी के टॉप में बटन लगे हुए हैं। 7.दीवार पर एक फोटो फ्रेम कम है। 8.मम्मी के पीछे रखा स्टूल गायब है।

## रास्ता खोजो

बच्चों, हर्षित अपनी मम्मी को बुके देकर मदर्स-डे विश करना चाहता है। हर्षित की मम्मी एक भूल-भुलैया में कहीं छिपकर उसको आवाज दे रही हैं। तुम जल्दी से रास्ता खोजकर हर्षित को उसकी मम्मी तक पहुंचने में मदद तो करो।

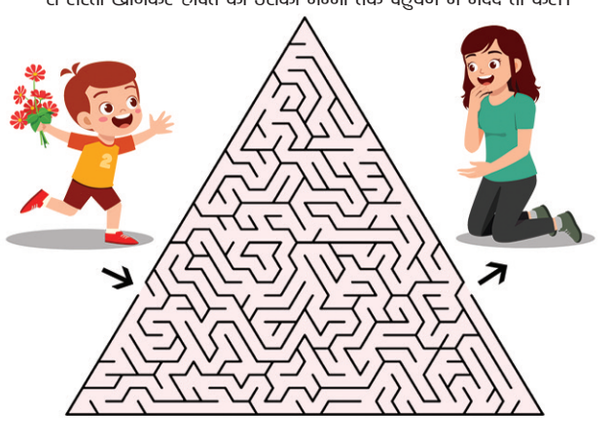



## चित्र पूरा करो

बच्चों, यहां एक अधूरा चित्र और उसके बगल में कुछ कट-आउट्स दिए गए हैं। तुमको इन कट-आउट्स को सही जगह लगाकर चित्र पूरा करना है।

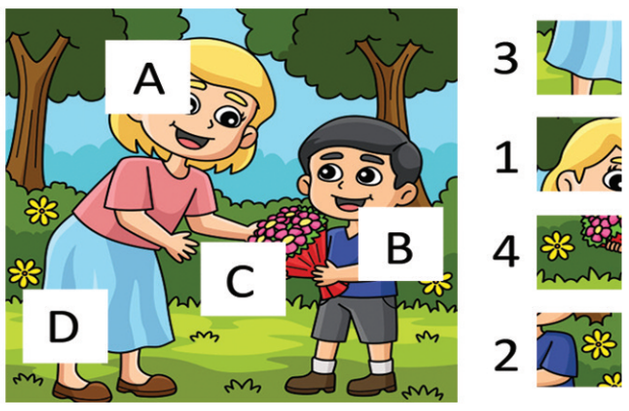




उत्तर:A-1, B-2, C-4, D-3

9- MAY-Jash-Bhoomi pg-4_Layout 1 5/9/2024 8:43 PM Page 1



## खबर संक्षेप

### निःशक्तजन को मिली मतदान रथ की सुविधा

**पुसौर।** पुसौर जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोतमा के सरपंच आशीष गुप्ता के द्वारा 7 मई को लोकसभा चुनाव के मतदान के दौरान एक मतदाता रथ का निर्माण किया और अपने क्षेत्र के निशख्त एवं शिशुवती माताओं को मतदान केन्द्र तक पहुंचाया गया। ज्ञात हो कि गोतमा पंचायत अंतर्गत केशापाली एवं ठाकुरपाली आश्रित ग्राम है इसमें केशापाली में ज्यादातर दिव्यांग जन हैं जो वोट करने बुथ तक नहीं पहुंच पाते ऐसे स्थिति में यह मतदाता रथ इन्हें मददगार साबित हुआ। मतदान के बीच यह मतदाता रथ समूचे ग्राम पंचायत क्षेत्र में घुमता रहा और जरूरत के मुताबिक वहां पहुंच कर मतदान केन्द्र में पहुंचाने का कार्य किया जिससे यहां मतदान का प्रतिशत लगभग 90 प्रतिशत बताया जा रहा है।

### जयमाला सिंह कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक

**रायगढ।** कांग्रेस पार्टी ने आदिवासी

कांग्रेस में कई नेताओं को नियुक्ति दी है। रायगढ़ की जयमाला सिंह को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी किए। अपना पुराना जनाधार खोज रही कांग्रेस पार्टी ने पुराने नेताओं को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां दी हैं। आदिवासियों के लिए जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ रही कांग्रेस ने अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस में कई नेताओं को जगह दी है। राजपरिवार की कांग्रेस नेत्री जयमाला सिंह को राष्ट्रीय समन्वयक बनाया गया है। उनके साथ बापू हरि चौरे को भी राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया गया है। वहीं छग के आदिवासी नेता व विधायक कवासी लखमा और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत को नेशनल एक्जीक्यूटिव कमेटी में शामिल किया गया है। ज्वाइंट कोऑर्डिनेटर्स में अमिता बिस्वाल, लक्ष्मी ठाकुर, बॉबी भगत, संतोष दीवान को रखा गया है।

### बिना रायल्टी श्रीजी इंफ्रा की 5 गाडियां जब्त

**रायगढ़।** खरसिया से पत्थलगांव रोड निर्माण कर रही ठेका कंपनी श्रीजी इंफ्रास्ट्रक्चर की पांच हाईवा को बिना रॉयल्टी के गिट्टी ले जाते पकड़ा गया। केवल निजी निर्माण कार्यों में ही बिना रॉयल्टी की गिट्टी रेत उपयोग नहीं हो रही है बल्कि सरकारी कामों में भी ऐसा हो रहा है। खरसिया से पत्थलगांव रोड निर्माण कर रही ठेका कंपनी श्रीजी इंफ्रास्ट्रक्चर की पांच हाईवा को बिना रॉयल्टी के गिट्टी ले जाते पकड़ा गया। खरसिया से धरमजयगढ़ होते हुए पत्थलगांव तक रोड का निर्माण श्रीजी इंफ्रा कंपनी कर रही है। रोड में रेत और गिट्टी का भी इस्तेमाल हो रहा है। ठेका कंपनी धरमजयगढ़ में ही सुनील कुमार अग्रवाल के क्रशर से बिना रॉयल्टी पर्ची के गिट्टी का परिवहन कर रही है। खनिज निरीक्षक आशीष गढ़पाले ने शनिवार को क्षेत्र में जांच की। हाईवा क्रमांक सीजी 04 पीडी 1293, सीजी 04 पीसी 5752, सीजी 04 पीडी 1291, सीजी 04 पीडी 1292 और सीजी 04 पीसी 1279 को रोककर जांच की। पांचों गाडिय़ों में गिट्टी लोड मिली जो सुनील कुमार अग्रवाल के क्रशर से लाई जा रही थी। किसी में भी रॉयल्टी पर्ची नहीं थी। सभी वाहनों को जब्त कर धरमजयगढ़ थाने के सुपुर्द किया गया है। बिना टीपी के खनिजों का अवैध परिवहन कर राजस्व हानि पहुंचाई जा रही है। पीडब्ल्यूडी के सडक़ निर्माण में भी बिना रॉयल्टी खनिज का उपयोग हो रहा है।

## पेज 1 का शेष

### आयुषी ने 12वीं ...

की माता सुषमा गुप्ता ने बताया कि उसकी बेटी ने पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई कर यह स्थान हासिल किया है,बच्ची ने खुद से मेहनत किया है,बिना किसी कोचिंग के अपने बलबूते सफलता की सीधी चढ़ यह स्थान प्राप्त किया है।

### सिविल सर्विस में ...

मार्गदर्शन के कारण आज मैं खुद गणित विषय के शिक्षक का हूं। इसी संस्कार व मार्गदर्शन की राह पर चलते आज श्रयांश ने भी राज्य में टॉप 3 में जगह बनाया है। यह अत्यंत खुशी की बात है। भविष्य में श्रयांश का सपना पूरा करने परिवारजन हर संभव मदद करेंगे।

## चोरी की घटनाएं और अश्लीलता बढ़ी, प्रशासन मौन

# प्रतिबंधित स्थल पर जलक्रीड़ा के लिए रोजाना जुट रही सैकड़ों की भीड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शहर में बढ़ती हुई गर्मी से राहत पाने एक बार फिर से पचधारी में लोगों की भारी भीड़ जुटना शुरू हो चुका है। जिससे इस जगह में छेडछाड मारपीट की घटनाएं भी प्रतिदिन घटित हो रहा है। खासकर रविवार के दिन पचधारी में मेले सा माहौल निर्मित हो जाता है इस दौरान यहां जरा सी लापरवाही में यहां अनहोनी घटना घटित होनें से इंकार नही किया जा सकता। शहर के गोवर्धनपुर के पास जीवनदायिनी कहे जाने वाली केलो नदी पचधारी में शहरवासी महिलाए पुरूष व बच्चे सुबह से लेकर शाम तक बड़ी संख्या में पहुंचकर पानी में नहा कर गर्मी से राहत महसूस कर रहे हैं। यहां आने वाले लोग बताते हैं कि इस भीषण गर्मी में पचधारी में पहुंचकर नहाने से ही उन्हें बढ़ी हुई गर्मी से कुछ हद तक राहत मिलती जरूर है। इस वजह से यहां प्रतिदिन लोगों की भारी भीड़ जुटने लगी है। रायगढ़ शहर के अलावा आसपास गांव के साथ.साथ अन्य जिलों से भी लोग यहां आने लगे हैं। इस स्थल पर शुरूआती दौर में प्रशासन ने प्रतिबंध लगाने के जतन किए थे जो धराशायी हो गए।

**हर साल होती है घटना**

शहर के गोवर्धनपुर के पास स्थित पचधारी एनीकट प्रतिबंधित होनें के बावजूद लोगों की भारी भीड यहां उमडती है साथ ही साथ लापरवाही से इस स्थल पर हर साल किसी न किसी की मौत होती रही है। प्रशासन ने भी इसी बात को लेकर इस स्थल पर नहाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश था। जिसके बाद प्रतिबंध को बोर्ड लगाये जाने के बावजूद हर साल गर्मी के दिनों में शहरवासी इस बोर्ड को नजर अंदाज करते हुए गर्मी से राहत पाने बडी संख्या में इस जगह पहुंचते है।

**चोरी की घटनाएं भी बढ़ी**

गर्मी के दिनों में गर्मी से राहत पाने शहरवासी के अलावा आसपास के जिलों से भी आए दिन सैकड़ो की संख्या में अपने परिवार समेत शहर के गोवर्धनपुर में स्थित पंचधारी में पहुंचकर गर्मी से निजात पाने पहुंचते हैं, मगर यहां होनें वाली भीड भाड का फायदा चोरों को हो रहा है जो छोटी बडी चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे है और पकड़े जाने के बाद मारपीट की घटना तक हो जा रही है।

**महिलाओं युवती से होती है छेड़छाड़**

पंचधारी में महिलाओं और युवतियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं भी लगातार बढ़ी है चूंकि पानी में नहाते समय अपने परिवार के साथ गई युवतियां व महिलाओं को मनचले युवक अश्लील दृष्टि से देखते हैं और गंदे कमेटेंस करने से भी बाज नही आते। साथ ही साथ पचधारी के आसपास असामाजिक तत्वों का दल एक साथ बैठकर शराब सेवन करते हुए आसानी से देखा जा सकता है।

## 145 पोलिंग बूथ के 2 ईवीएम में खराबी, हुई तत्काल व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

पुसौर तहसील क्षेत्र के 145 मतदान केन्द्रों में से छातामुरा और छोटेहरदी मतदान केन्द्रों के इव्हीएम मशीन खराब होने का मामला प्रकाश में आया है उक्ताशय पर तहसीलदार नेहा उपाध्याय ने बताया कि खराब पाए जाने की स्थिति में स्पेयर में रहे मशीनों को वहां रखा गया और मतदान कराया गया।

इस बीच क्वीक रिस्पांस टीम के कई दल मतदान केन्द्रों का सतत निगरानी करते मिले और जहां जो परेशानी रही उसे हल करने की कोशिश की। औरदा पोलिंग बुथ में आर आई नुतन पेंकरा के टीम ने बताया कि तहसीलदार मेडम के मार्गदर्शन में जहां ईव्हीएम बदलनी पडी, बदला गया है वहीं छोटी मोटी आई खराबी को एक्सपर्ट द्वारा सुलझाया जाकर मतदान प्रक्रिया को आगे बढाया गया और संपन्न भी हुआ। जानकारी के मुताबिक औरदा में कुछ मामुली आपसी कहासुनी यहां के सरपंच शुक्लांबर सारथी के साथ हुई जिससे टीआई को वहां जाना पडा और मामला इतने में शांत भी हो गया। कहीं भी कोई अप्रिय अथवा विवादित घटना नहीं हुई।

### एग्जिट पोल के आयोजन और प्रसारण पर 1 जून तक प्रतिबंध

**सारंगढ़।** भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के प्रावधानों के तहत किसी भी तरह के एग्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण पर 19 अप्रैल से 01 जून की शाम 06.30 बजे तक प्रतिबंध है और इस अवधि में लोकसभा आम निर्वाचन के संदर्भ में किसी भी तरह के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा किसी भी मीडिया में इसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार प्रसार करने पर प्रतिबंध होगा। अधिसूचना में यह स्पष्ट किया है कि लोकसभा निर्वाचन अंतर्गत संबंधित मतदान समाप्त होने के 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

## पीडब्ल्यूडी के तीन अधिकारी निलंबित और बहाल, सड़क निर्माण जस का तस

**रायगढ।** जिस सडक़ ने तीन अधिकारी सस्पेंड करवा दिए वह अभी भी समय पर पूरी होती नहीं दिख रही जबकि निलंबित अधिकारी बहाल भी हो गए। रायगढ़ में सडक़ों की खराब हालत से राज्य सरकार भी वाकिफ है। मुख्यमंत्री खुद जशपुर के हैं। जशपुर के लोग रायगढ़ होकर ही रायपुर जाते हैं। इसलिए धरमजयगढ़, घरघोड़ा, तमनार, लैलूंगा सभी जगहों की सडक़ों की जानकारी सीएम हाउस को मिल जाती है। पीडब्ल्यूडी सेक्रेटरी भी सडक़ों का जायजा लेने पहुंचे थे। रायगढ़ की पांच सडक़ों की समीक्षा हर महीने हो रही है। जून तक चार सडक़ों की स्थिति चलने लायक हो जाएगी। राज्य शासन ने 2021 में चंद्रपुर, डभरा, खरसिया, धरमजयगढ़ से पत्थलगांव तक 91 रोड के लिए 147 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। मई 2024 तक इसकी डेडलाइन है। इस रोड का ठेका श्रीजी इंफ्रास्ट्रक्चर को मिला है। रोड निर्माण में गुणवत्ता खराब हुई तो दो सब इंजीनियर और ईई को शासन ने सस्पेंड कर दिया था। इसके पहले ईई आरके खाम्बरा ने धीमी गति से निर्माण करने के कारण एग्रीमेंट टर्मिनेट कर दिया था। करीब चार महीने टर्मिनेशन के दौरान अधिकारी सस्पेंड हो गए। इसके बाद वापस से एग्रीमेंट बहाल कर दिया गया। लेकिन निर्माण अब भी स्लो है। इसी महीने डेडलाइन है। पांच महीने के ग्रेस पीरियड में ठेका कंपनी को तेजी से काम करने कहा जा रहा है। ठेकेदार को टुकड़ों में जरूरत के हिसाब से काम करने का आदेश दिया गया है ताकि बारिश के पहले रोड चलने लायक हो जाए। भारी वाहनों की आवाजाही के कारण डामर रोड नहीं टिक रही है। घटिया क्वॉलिटी के कारण भी रोड धंसती है। धरमजयगढ़ से पत्थलगांव 34 किमी को तीन हिस्सों में पूरा किया जाएगा। इसी तरह हाटी से धरमजयगढ़ 19 किमी रोड परफॉरमेंस गारंटी में है। इसे मेंटेन किया जाएगा।

- खरसिया से धरमजयगढ़, पत्थलगांव तक रोड को ठेकेदार ने उलझाया

**कोडातराई क्षेत्र को पुसौर थाने में सम्मिलित करने उठ रही मांग**

**पुसौर।** कुछ साल पहले पुसौर थाना क्षेत्र में रायगढ और खरसिया के करीब के ग्राम भी आते थे और इसमें कोडातराई, नेतनागर सहित लगभग 25 ग्राम ऐसे है जो आज भी पुसौर जनपद और तहसील से जुडे हैं लेकिन ये ग्राम रायगढ जुटमिल थाना क्षेत्र में आते हैं जिससे इस क्षेत्र के रहवासियों को उल्टी दिशा में बहने का भान होता है और उन्हें कई तरह के परेशानियों का सामना करना पड़ता है उक्ताशय को लेकर पुसौर जनपद के उपाध्यक्ष गोपी चौधरी ने बताया कि पहले कोडातराई क्षेत्र पुसौर में था तो हमें काफी सुविधा जनक होता था। कुछ साल से हमारा क्षेत्र को रायगढ जुटमिल थाना में जोड दिया गया है जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

### उमेश ने पंडरीपानी में लगवाया ट्रांसफार्मर

**रायगढ।** विधायक उमेश पटेल के निर्देश पर बिजली विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने ग्राम पंडरीपानी प में सोमवार को नया ट्रांसफार्मर लगाया। जिसके बाद पुनः बिजली की सप्लाई शुरू हुई। गांव में पुनः बिजली आने से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। गांव के किसानों तथा ग्रामीणों ने विधायक उमेश पटेल का धन्यवाद करते हुए आभार ज्ञापित किया है। साथ ही बिजली विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया है जिन्होंने नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर ग्रामीणों को राहत दी है। खरसिया विधानसभा के ग्राम पंचायत पंडरीपानी का ट्रांसफार्मर विगत दिनों अचानक से खराब हो गया थाए जिससे लाईन की सप्लाई बंद हो गई थी। भीषण गर्मी में लाईन नहीं होने से ग्रामीणों को काफी ज्यादा परेशानियों को सामना करना पड़ रहा था। जिसके बाद गांव के जागरूक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फोन के माध्यम से खरसिया विधायक उमेश पटेल को इसकी सूचना दी थी।

## एनईएस कॉलेज के समाजशास्त्र के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में अर्जित किए बेहतर अंक

**जशपुर** । संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, अंबिकापुर ने एमए समाजशास्त्र, तृतीय सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर दिया गया इसमें शासकीय राम भजन राय एनईएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुर नगर के समाजशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राएं अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। महाविद्यालय की छात्रा कु फुलसीता मिंज 77% अंक लाकर प्रथम स्थान पर, कु अनुकंपा मिंज 75% अंक लाकर द्वितीय स्थान, तथा कु संतोषी भगत 73% अंक लाकर तृतीय स्थान प्राप्त की साथ ही तृतीय सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी का अंक प्राप्त किए हैं ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय रक्षित ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते पूरे विभाग को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा कहा कि समाजशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं ने अच्छा प्रदर्शन किया। समाजशास्त्र एक ऐसा विषय है जो जशपुर जिले में अनुसंधान के क्षेत्र में नई-नई तकनीक के माध्यम से कार्य कर सकते हैं , सामाजिक कुप्रथा को दूर करने में भी समाजशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राएं समय-समय पर बाल विवाह रोकथाम और भी विभिन्न विषयों पर जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष जे.आर. भगत ने भी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में अनुसंधान के क्षेत्र में नया करने के विषय में बच्चों को मार्गदर्शन दिए। समाजशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राओं ने लघु शोध एवं परियोजना कार्य के लिए भी जशपुर में स्थित शारदा पर्यटन का भ्रमण करके वहां के ग्रामीण समस्याओं के बारे में समझते हुए समस्याओं का निराकरण किस प्रकार से किया जाये। उस विषय पर कार्य कर रहे हैं।छात्र-छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विजय रक्षित की प्रेरणा और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जे. आर. भगत, अतिथि विद्वान विद्यावती भगत तथा अतिथि विद्वान शालिनी गुप्ता के कुशल अध्यापन व मार्गदर्शन को दिया।

एनईएस महाविद्यालय में समाजशास्त्र का द्वितीय वर्ष है इसमें चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने लघु शोध विषय के लिए जशपुर जिले के उरांव, बिरहोर,कोरवा जनजातियों के विषय में गहनता पूर्वक अध्ययन कर उन जनजातियों के अंतर्गत होने वाले विवाह पद्धति, उनकी संस्कृति रहन-सहन, शैक्षणिक योग्यता के विषय में शोध कर लघु शोध प्रबन्ध रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं और नियमित अध्यापन के साथ ही नियमित टेस्ट ,ग्रुप डिस्कशन, सेमिनार ,सामाजिक कुप्रथाओं पर जागरूकता अभियान और भी विभिन्न गतिविधियों पर समय-समय पर जागरूकता रैली व कार्यक्रम चलाया जाता है।

**मोबाइल रिपेयरिंग निशुल्क प्रशिक्षण आज से**

**सारंगढ़।** रायगढ़ एवं सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्रामीणों के लिए 9 मई 2024 से शुरू होने वाले मोबाइल रिपेयरिंग सेलफोन सर्विसिंग और सुधार के निशुल्क प्रशिक्षण के लिए पंजीयन वाट्सअप नंबर 7974942078 में किया जा सकता है। भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, रायगढ़ में मोबाइल रिपेयरिंग सेलफोन सर्विसिंग और सुधार का 30 दिवसीय प्रशिक्षण 09 मई से प्रारंभ किया जाएगा। प्रशिक्षण के लिये पंजीयन प्रारंभ हो चुका हैं। इस प्रशिक्षण के लिए रायगढ़ एवं सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार के शिक्षित बेरोजगार युवक, युवती एवं महिला पुरुष को प्रशिक्षण दिया जाना हैं।

### सीजी हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी बोर्ड के नतीजे आज

**रायगढ।** छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल गुरुवार 9 मई को 10वीं और 12वीं बोर्ड के नतीजे जारी करने जा रहा है। इस आदेश की जानकारी माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने दी है। बता दें कि कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन 2 मार्च से 24 मार्च तक किया गया। वहीं 12वीं क्लास की परीक्षाओं का आयोजन 1 से 31 मार्च तक किया गया था।

उल्लेखनीय है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने पहले ही बताया था कि, तीसरे चरण के चुनाव के बाद 10वीं और 12वीं बोर्ड के नतीजे जारी कर दिए जाएंगे। आज जारी पत्र के बाद यह तय हो गया है कि, कल दोपहर 12.30 बजे नतीजे जारी होंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सभागृह में जारी किए जाएंगे परिणाम। माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष रेणु पिल्ले और सचिव पुष्पा साहू घोषित करेंगी परिणाम। अचार संहिता की वजह से इस बार शिक्षा मंत्री शामिल नहीं होंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू ने बताया कि, रिकार्ड समय में मूल्यांकन पूरा होने के बाद नतीजे कल घोषित किए जाएंगे। ये नतीजे पिछले वर्ष से पांच दिन पहले जारी किए जा रहे हैं। ये नतीजे के आफिशियल वेबसाइट या पर लिंक को एक्टिव कर दिया जाएगा।

## दुर्घटनाग्रस्त युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

**रायगढ।** एनआर इस्पात और रायगढ़ इस्पात के बीच संदिग्ध हालत में जख्मी मिले युवक की मेकाहारा में मौत हो गई। आशंका है कि अज्ञात वाहन की गिरफ्त में आने से युवक की जिंदगी खत्म हुई है। पूंजीपथरा पुलिस तहकीकात कर रही है। घटना की विवेचना कर रहे सहायक उपनिरीक्षक विजय कुमार एक्का ने बताया कि गेरवानी से सराईपाली रोड में विगत 4 मई की सुबह तकरीबन 8 बजे एनआर इस्पात और रायगढ़ इस्पात के बीच

एक युवक बुरी तरह घायल अवस्था में बेसुध पड़ा मिला। चूंकि युवक के चेहरे में जख्म थे तो उसका हाथ भी टूटा था इसलिए राहगीरों ने मौके की नजाकत भांप पूंजीपथरा थाने में इसकी सूचना दी। थाना प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी ने मातहत स्टाफ को घटना स्थल भेजा। वर्दीधारियों ने मौके का जायजा लेते हुए आहत को वाहन से रायगढ़ के मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। माना जा रहा है कि बेलगाम रफ्तार के कहर ने युवक की जान ली होगी। मृतक के पास ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे उसकी शिनाख्त हो सके इसलिए पुलिस ने शव को लावारिस मानते हुए जिला चिकित्सालय के मर्च्यूरी रूम में रखवाया।

### उपभोक्ता फोरम में आवेदक का परिवाद साबित हुआ गलत, मुकदमा खारिज

**रायगढ़।** उपभोक्ता फोरम की स्थापना दुकानों, प्रतिष्ठानों की मनमानी से परेशान ग्राहकों के हितों का संरक्षण करने हुआ है। कई बार ऐसे भी मामले आते हैं जब ग्राहक खुद ही झूठा दावा करता है। तब फोरम को दुकानदार के पक्ष आदेश करना पड़ता है। ऐसे ही एक मामले में फोरम ने चॉकलेट खाकर तबीयत खराब होने का दावा करने वाली महिला के तर्कों को झूठा पाया और परिवाद ही खारिज कर दिया। मामला रतेरिया प्रोविजन स्टोर गोपी टॉकीज रोड का है। आवेदिका मंजू साहू पिता अशोक साहू निवासी छोटे अतरमुड़ा ने उपभोक्ता फोरम में रतेरिया प्रोविजन किराना स्टोर के खिलाफ परिवाद दायर किया। मंजू ने दुकानदार से व्यापारिक दुराचरण की क्षतिपूर्ति 1.50 लाख रुपए नोटिस खर्च 50 हजार रुपए और न्यायालयीन व्यय 5000 रुपए कुल 2.05 लाख रुपए एवं इस पर 6 प्रश की दर से ब्याज भी मांगा। आवेदिका मंजू का कहना था कि बीते 18 सितंबर 2023 को उसने अपनी सहेली रीमा साहू के साथ रतेरिया प्रोविजन से दो नग फाइव स्टार चॉकलेट खरीदा। बिल मांगने पर दुकानदार ने अभद्र व्यवहार किया। उक्त चॉकलेट एक्सपायरी डेट की थी। चॉकलेट खाकर परिवादिनी की सहेली रीमा के पेट में दर्द होने लगा। परिवाद के साथ स्पर्श क्लिनिक की मेडिकल रिपोर्ट भी संलग्न की गई।

## पुल निर्माण में बाधा, रायगढ़-सारंगढ़ सरायपाली एनएच निर्माण अधूरा

**रायगढ़।** राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने रायगढ़ से सारंगढ़ सराईपाली रोड को अधर में फंसा दिया है। सडक़ का काम तो जैसे तैसे पूरा कर लिया जाएगा लेकिन महानदी में बनने वाले पुल का काम शायद ही पूरा हो। इस साल भी काम का सीजन खत्म होने को है लेकिन पानी कम करने कोई सूचना तक नहीं है।

रायगढ़ से सरायपाली तक करीब 87 किमी एनएच प्रोजेक्ट का टेंडर जनवरी 2015 में हुआ था। एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग को 328 करोड़ में काम मिला था। तीन साल में इस रोड का काम पूरा किया जाना थाए लेकिन प्रोजेक्ट अधूरा ही है। एरा दिवालिया हुई तो जेएस ग्रोवर कंस्ट्रक्शन को ठेका सबलेट किया गया था। यह कंपनी भी काम छोडक़र भाग गई। नौ साल में भी 87 किमी रोड पूरी नहीं बन सकी है। पीडब्ल्यूडी राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने तीन भागों में टेंडर जारी किया है। पहले भाग में गोमर्डा अभ्यारण्य से पहले डामर रोड स्टार्ट प्वाइंट से सरायपाली तक लिया गया है। इसका टेंडर जारी कर दिया गया है। 96.31 करोड़ की मंजूरी मिली थी। तीनों हिस्सों को मिलाकर करीब कुल 355 करोड़ रुपए खर्च होने हैं। जबकि 2015 में पूरे 87 किमी रोड का ठेका 328 करोड़ का था। प्रोजेक्ट के पूरा होने में सबसे बड़ा काम चंद्रपुर में बनने वाला नया पुल है। यह तब तक नहीं बन सकता, जब तक साराडीह बैराज से पानी न छोड़ा जाए। पुल निर्माण साइट हमेशा पानी में डूबा रहता है। किनारे के पिलर तो फिर भी उठ गए हैं, लेकिन बीच में काम शुरू ही नहीं हो सका है। इसके लिए 97 करोड़ का इस्टीमेट है। यह सत्र भी 15 जून को खत्म हो जाएगा। बारिश के सीजन में तो पुल का काम करना वैसे भी संभव नहीं है।

जलाशय में पानी भरने से निर्माण हुआ मुश्किल

## शार्ट सर्किट से कपड़ा दुकान में लगी आग, दो लाख माल स्वाहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शहर के हृदय स्थल सुभाष चौक स्थित कपड़ा व्यवसायी अमित उदासी के अमित क्लॉथ स्टोर में बुधवार दोपहर शॉट सक्रिट से आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते देखते दुकान में लगा करीब दो लाख का माल और एसी समेत सबकुछ जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग को आसपास के दुकानों तक फैलने से रोकने का प्रयास करते हुए आग पर काबू पाया। गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर में आगजनी की घटनाएं बढ़ गई है। दमकल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल से लेकर 8 मई के बीच कुल 22 आग लगने की घटनाएं घटित हुई है। जिनमें से अधिकतर घटनाएं शॉट सक्रिट की वजह से घटित हुई है। वही बीते वर्ष 1 अप्रैल 23 से 31 मार्च 24 तक कुल करीब 150 आगजनी की घटनाएं जिले में घटित हुई हैं। सुभाष चौक में बुधवार को लगी आग भयानक लपटों के साथ आसपास की दुकानों को यदि अपने जद में ले लेती तो बढ़ी हानि हो सकती थी। गौरतलब है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही जिले भर में बिजली की कटौती और वोल्टेज की समस्या बढ़ गई है। इस दौरान आती जाती बिजली के पावर डिस्टीब्यूशन के कारण कहीं ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं हो रही है तो कहीं लोगों के घरों में महंगे बिजली उपकरण खराब व नष्ट हो रहे हैं।

- शहर के सुभाष चौक स्थित अमित क्लॉथ की घटना